संख्या:314/2016/1277/35-4-2016

प्रेषक,

अबरार अहमद,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
आगरा ।

नियोजन अनुभाग-4 लखनऊ दिनांक: 22 सितम्बर,2016

विषय : वर्ष 2016-17 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद आगरा में शासनादेश संख्या-570/35-4-2013 दिनांक 31 मार्च,2013 के द्वारा **शमशाबाद कस्बे में सीवरेज परियोजना** के कार्य की रू. 9777.98 लाख की लागत पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त के रूप में रू. 2000.00 लाख की धनराशि अवमुक्त की गयी थी।तत्पश्चात शासनादेश संख्या:181/2015/549/35-4-2015 दिनांक 23 अप्रैल,2015 द्वारा द्वितीय किश्त के रूप में रू.3000.00 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई। तदोपरान्त शासनादेश संख्या:125/ 2016/601/35-4-2016 दिनांक 13 अप्रैल,2016 द्वारा तृतीय किश्त के रूप में रू.3000.00 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई।मुख्य अभियन्ता(नागर) के पत्र संख्या:160/ नागर-2/033-410/16 दिनांक 01 अगस्त,2016 द्वारा उक्त स्वीकृत कार्य हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि का 75 प्रतिशत से अधिक का उपयोग होना इंगित किया गया है। एतदद्वारा उक्त कार्यकी अनुमोदित लागतके सापेक्ष प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किश्त के रूप में अवमुक्त धनराशि को समायोजित करते हुए धनराशि रू. 1289.08 लाख (रूपये बारह करोड़ नवासी लाख आठ हजार मात्र) को निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1- सन्दर्भित शासनादेश दिनांक 31 मार्च,2013 तथा दिनांक 23 अप्रैल,2015 तथा दिनांक 13 अप्रैल,2016की शर्ते यथावत लागू रहेंगी।

2- इस शासनादेश से उक्त कार्य के लिए अनुमोदित लागत के सापेक्ष 95 प्रतिशत धनराशि का आवंटन हो जाता है। कार्य को मानकों के अनुरूप पूर्ण गुणवत्ता के साथ स्वीकृत लागत में ही पूर्ण किया जायेगा और लागत वृद्धि अनुमन्य नहीं होगी।

3- परियोजना के लिये स्वीकृत धनराशि आहरित कर बैंक/ाकघर में नहीं रखी जायेगी। प्रश्नगत धनराशि आवश्यकतानुसार आहरित कर व्यय की जायेगी और तदनुसार कार्यदायी संस्था को धनराशि अवमुक्त की जायेगी।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी द्वारा जिलाधिकारी की अनुमति से आहरित कर उपलब्ध करायी जायेगी।

5- स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में 31 मार्च, 2017 तक पूर्ण रूपेण कर लिया जायेगा और यदि कोई धनराशि अप्रयुक्त बचती है तो उसे 31 मार्च, 2017 से पूर्व समर्पित किया जायेगा । स्वीकृत धनराशि का पूरा लेखा- जोखा 31 मार्च, 2017 तक प्रमुख सचिव नियोजन अनुभाग-4 को प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

6- राजकोष से आहरित धनराशि का त्रैमासिक आधार पर मिलान महालेखाकार उत्तर प्रदेश में अनुरक्षित लेखों से अनिवार्यतः कराया जायेगा तथा वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात 3 माह में अर्थात 30 जून,2017 तक स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष हुए व्यय का महालेखाकार द्वारा सत्यापित विवरण नियोजन विभाग को प्रेषित किया जायेगा ।

7- कार्य पूर्ण होने पर कार्यदायी संस्था द्वारा सम्परीक्षित लेखे अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराये जायेंगे।

2- उपर्युक्त मद पर होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय व्ययक में अनुदान संख्या-40-आयोजनागत-लेखाशीर्षक-4215-जलपूर्ति तथा सफाई पर पूंजीगत परिव्यय-02-मल जल तथा सफाई-106-मल जल सेवायें-03-त्वरित आर्थिक विकास योजना-02-मल जल सेवाओं के अधूरे कार्यों के लिए एकमुश्त व्यवस्था-24 -वृहद निर्माण कार्य के नामे □ाला जायेगा ।

3- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2016/बी-1-746/दस-2016-231/2016 दिनांक 22 मार्च,2016 में प्रतिनिधानित अधिकारों के अनुक्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अबरार अहमद)
विशेष सचिव

संख्या:314/2016/1277(1)/35-4-2016 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
2- महालेखाकार, लेखापरीक्षा, प्रथम एवं द्वितीय, इलाहाबाद।
3- प्रमुख सचिव / सचिव, लोक निर्माण ।
4- प्रमुख सचिव, वित्त।
5- निजी सचिव, मा. मुख्य मंत्री जी ।
6- मण□लायुक्त, आगरा।
7- मुख्य विकास अधिकारी, आगरा।
8- प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 जल निगम,लखनऊ।
9- वरिष्ठ कोषाधिकारी, आगरा।
10-गार्ड फाईल।
11-वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग- 5
12-राज्य योजना आयोग-1
13-जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, आगरा।

आज्ञा से ,

(अबरार अहमद)
विशेष सचिव

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in